ग्रामीण विकास का खाका तैयार कर रहीं दीदियां

ग्रामीण महिलाएं अब काफी जागरूक हो गयी हैं. सखी मंडलों से जुड़ कर महिलाओं को सभी प्रकार की सरकारी योजनाओं की जानकारी मिल रही है, जिससे उन्हें काफी लाभ हो रहा है. महिलाएं अब खुद से यह तय कर पा रही हैं कि उनके लिए क्या सही है और क्या गलत है. राज्य सरकार भी महिलाओं की इस ताकत पर भरोसा कर रही है. इसी भरोसे का परिणाम है कि ग्रामीण विकास विभाग के द्वारा सखी संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है. महिलाओं के माध्यम से राज्य सरकार ग्रामीण झारखंड के विकास का खाका तैयार कर रही है. ग्रामीण महिलाओं की ओर से भी काफी बेहतर सुझाव मिल रहे हैं. झारखंड दौरे पर आये केंद्रीय ग्रामीण विकास सचिव अमरजीत सिन्हा ने कहा कि ग्रामीण महिलाएं बेहतर कार्य कर रही हैं. आगे और बेहतर प्रदर्शन करेंगी.

केंद्रीय ग्रामीण सचिव ने दीदियों की तारीफ की

जीआरसी सेंटर में अमरजीत सिन्हा व अन्य.

रांची जिले के अनगड़ा प्रखंड स्थित गेतलसूद गांव में बने जीआरसी सेंटर में केंद्रीय ग्रामीण विकास सचिव अमरजीत सिन्हा पहुंचे और सखी मंडल की महिलाओं से बातचीत की. मौके पर जीआरसी सेंटर में कई स्टॉल लगाये गये थे. अमरजीत सिन्हा ने सभी स्टॉल्स का निरीक्षण करते हुए महिलाओं से उनके कामकाज के बारे में जानकारी ली.सबसे पहले उन्होंने जीआरसी सेंटर में बने कोल्ड स्टोरेज का उद्घाटन किया. महिलाओं ने उन्हें अपने काम के बारे में बताया. पशु सखी आरती ने बताया कि जीआरसी में मुर्गी का चूजा लाया जाता है. पशु सखी के माध्यम से हर गांव तक मुर्गी का चूजा पहुंचाया जाता है. मुर्गीपालकों को मुर्गियों के बेहतर रख-रखाव की जानकारी दी जाती है. जिससे मुर्गियों के मरने की दर कम हो जाती है. जिससे ग्रामीण और जीआरसी दोनों को लाभ मिलता है. पशु सखी अहिल्या देवी ने बताया कि उनकी जैसी और भी पशु सखी गांव में कार्य करती हैं, जिसके कारण बकरियों की मृत्यु दर में कमी आयी है. ग्रामीणों को बकरी बेचने में परेशानी नहीं हो, इसलिए सेंटर में ही हर बुधवार को बाजार लगाया जाता है. यहां 265 से लेकर 300 रुपये किलो के हिसाब से दाम मिलता है. अहिल्या ने बताया कि सेंटर के द्वारा रामगढ़, हजारीबाग, गोला चितरपुर में 800 बकरियां बांटी गयी हैं. दिव्यांग तबरेज अंसारी के स्टॉल पर भी अमरजीत सिन्हा पहुंचे. जहां तबरेज अंसारी ने उन्हें बताया कि पहले वो बेबस और लाचार था, लेकिन दिव्यांग समूह बनने के बाद उनके जीवन जीने का तरीका बदल गया. तबरेज ने बताया कि वो पापड़ और अचार बनाकर बेचने का कार्य करते हैं. सेतु दीदी जेवंती तिर्की ने बताया कि अनगड़ा प्रखंड में 57 ग्राम संगठन में शौचालय निर्माण के लिए 255.3 लाख का फंड दिया गया था, जिसमें से 244.08 लाख राशि खर्च हो चुकी है. 2,128 शौचालय बनाने का लक्ष्य दिया गया था, जिसमें से 2039 शौचालय बन चुके हैं. शेष का निर्माण किया जा रहा है. महिलाओं से बातचीत करने के बाद अमरजीत सिन्हा ने कहा कि अनगड़ा की सखी मंडल की दीदियों के कार्यों को देखकर बहुत खुशी हुई. यहां सभी महिलाएं अच्छा काम कर रही हैं और आगे भी बेहतर कार्य करेंगी.

रूबी खातुन

प्रखंड : अनगड़ा
जिला : रांची

खेती से रोहिणी ने बदली किस्मत

अहिल्या कुमारी

प्रखंड : बुंडू
जिला : रांची

रांची जिले के बुंडू प्रखंड की रेलाडीह पंचायत अंतर्गत खुदोमटुकम गांव की रोहिणी देवी आज अपने बच्चों के साथ खुशहाल जीवन जी रही हैं. खेती बारी करके उन्हें अच्छी कमाई हो रही है, पर पहले ऐसा नहीं था. रोहिणी देवी वर्ष 2014 में गेंदा महिला समूह से जुड़ीं. वर्ष 2016 में उनके पति का निधन हो गया, जिससे रोहिणी पूरी तरह से अंदर से टूट गयी थीं. उनके परिवार की स्थिति धीरे-धीरे खराब होने लगी. पति की मौत के बाद रोहिणी को अपने बच्चों के पालन-पोषण करने में काफी परेशानी होने लगी. रोहिणी को कोई रास्ता नजर नहीं आ रहा था. फिर रोहिणी ने समूह से 10,000 रुपये का लोन लिया. लोन लेकर अपने खेतों को खेती के लायक बनाया और खेती करने लगीं. फिलहाल उनके खेत में मटर और गेहूं लगे हुए हैं. खेती से रोहिणी को प्रतिदिन 500-700 रुपये की कमाई हो रही है. रोहिणी से प्रेरित होकर आस-पास की महिलाएं भी खेती करने लगी हैं.

अपने खेत में खड़ी रोहिणी देवी.

सखी संवाद कार्यक्रम का आयोजन

अंजू गोराई

प्रखंड : चंदनकियारी
जिला : बोकारो

बोकारो जिले के चंदनकियारी प्रखंड अंतर्गत चंदनकियारी गांव के छऊ केंद्र रवींद्र भवन में सखी संवाद का आयोजन हुआ. पर्यटन, कला, संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य मंत्री अमर कुमार बाउरी मुख्य अतिथि शामिल हुए. सखी संवाद में जेएसएलपीएस, बोकारो के पदाधिकारी समेत सखी मंडल की महिलाएं शामिल हुईं. कार्यक्रम के दौरान रूकसाना बानो ने बताया कि सखी मंडल से जुड़ने का बाद महिलाओं की कैसे अपनी पहचान बनायी. अब वो दूसरों पर आश्रित नहीं हैं. साथ ही आर्थिक तौर पर समृद्ध होने के लिए महिलाओं को पपीता की खेती करने, काजू का पेड़ और साल का पेड़ लगाने का सुझाव दिया गया. मंत्री अमर कुमार बाउरी ने दीदियों को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला योजना, बेटी पढ़ाओ बेटी बचाओ जैसी सरकारी योजनाओं की जानकारी दी. इस दौरान सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों के बीच सोलर लैंप का वितरण किया गया.

दीदियों को चेक सौंपते मंत्री अमर कुमार बाउरी.

सखी संवाद में महिलाओं ने रखी अपनी बात

सखी संवाद में शामिल महिलाएं.

गिरिडीह जिले के डुमरी प्रखंड अंतर्गत इसरी बाजार स्थित विद्यालय परिसर में ग्रामीण विकास विभाग और जेएसएलपीएस के द्वारा सखी संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया. डुमरी प्रखंड के बीपीएम की देखरेख में कार्यक्रम का आयोजन हुआ. इस दौरान सांसद रवींद्र पांडेय, विधायक जगन्नाथ महतो, जिप अध्यक्ष राकेश महतो, प्रमुख यशोदा देवी समेत पंचायतों के मुखिया और महिलाएं शामिल हुईं. कार्यक्रम के दौरान महिला समूह से जुड़ी 13 महिलाओं ने समूह से जुड़ कर अपने जीवन में आये बदलावों के बारे में बताया. उन्होंने बताया की समूह का बैंक लिंकेज होने के बाद समूह से लोन लेकर व्यवसाय करना बहुत आसान हो गया है. सांसद रवींद्र राय ने सखी संवाद को संबोधित करते हुए सखी मंडल की महिलाओं की तारीफ करते हुए कहा कि सखी मंडल से जुड़ कर अब महिलाएं घर से बाहर निकलकर खुद को आर्थिक तौर पर सशक्त कर रही हैं और अपने जीवन में बदलाव ला रही हैं. सांसद ने महिला सशक्तीकरण को लेकर चलायी जा रही सरकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए उससे लाभ लेने के तरीके भी बताये. उन्होंने कहा कि वो महिलाओं की मेहनत करने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे. विधायक जगन्नाथ महतो ने महिलाओं से अपील करते हुए कहा कि सभी महिलाएं समूह से मिलने वाले लोन का सदुपयोग करें. जेएसएलपीएस के डीपीएम संजय गुप्ता ने कहा कि अप्रैल महीने में सखी मंडल की महिलाओं को सिलाई का प्रशिक्षण दिया जायेगा. जिला परिषद ने कहा कि कम ब्याज में लोन लेकर महिलाएं कार्य कर रही हैं, जिससे महिलाओं को महाजनों से छुटकारा मिल गया है. बीपीएम सुनील कुमार गुप्ता ने समूह की महिलाओं की गतिविधियों की जानकारी देते हुए कहा कि महिलाएं सामाजिक कार्यों में बढ़ चढ़कर हिस्सा ले रही हैं. स्वच्छ भारत मिशन के तहत हर पंचायत में शौचालय निर्माण कराने में सखी मंडल की महिलाओं ने महत्वपूर्ण भूमिका निभायी है. बीपीएम ने बताया कि पोषण सप्ताह के तहत भी महिलाओं ने अपनी भागीदारी निभायी. मध्यगोपाली कलस्टर में सखी मंडल की महिलाओं ने जैविक खेती की शुरुआत की है. बीपीएम ने बताया गया की जीपीडीपी योजना पर विशेष ध्यान दिया गया है.

मुनिया देवी

प्रखंड : डुमरी
जिला : गिरिडीह

सखी संवाद में दीदियों ने बतायी अपनी समस्या

हेमानी महतो

प्रखंड : चांडिल
जिला : सरायकेला

सरायकेला जिले के चांडिल प्रखंड से 45 किलोमीटर दूर स्थित चीका गांव में सखी संवाद का आयोजन किया गया, जिसमें महिला समूह की महिलाओं ने अपने मन की बात बतायी. कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि विधायक साधु चरण महतो समेत प्रखंड एवं जिले के अधिकारी शामिल हुए और सखी संवाद कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी. इस दौरान महिला समूह की करीब 500 से ज्यादा महिलाएं उपस्थित हुईं. बता दें कि महिलाओं को जागरूक कर उनकी समस्याओं को जानने और उसे दूर करने के लिए पूरे राज्य में सखी संवाद का आयोजन किया जा रहा है. कार्यक्रम के दौरान बताया गया कि अगर एक महिला घर में शिक्षित होती है, तो पूरे परिवार को शिक्षित करती है. पूरे गांव की महिलाओं को शिक्षित करने का प्रयास करती है, जिससे शिक्षित गांव, शिक्षित समाज और शिक्षित देश का निर्माण होता है. इस दौरान महिला समूह से जुड़ी महिलाओं ने अपने अनुभव साझा किये.

खट्टे अचार से जिंदगी में आ रही मिठास

नेहा साह

प्रखंड : पालोजोरी
जिला : देवघर

गुमला जिले के बिशुनपुर प्रखंड अंतर्गत बिशुनपुर गांव की अनीता देवी फूड प्रोसेसिंग का व्यापार करके आगे बढ़ रही हैं और महिलाओं को भी आर्थिक तौर पर संपन्न कर रही हैं. अनीता वर्ष 2009 में सखी मंडल से जुड़ीं. उस वक्त अनीता आर्थिक तौर पर काफी कमजोर थीं, जिसके कारण उन्हें काफी समस्याओं का सामना करना पड़ता था. महिला समूह के सुझाव से उन्होंने फूड प्रोसेसिंग का कार्य शुरू किया. उन्होंने ग्राम संगठन से 30 हजार रुपये का लोन लिया. इस कार्य में अन्य महिलाएं भी उससे जुड़ गयीं. अनीता जामुन बीज पाउडर, जामुन सिरका, आंवला सुपारी, आंवला चूर्ण, त्रिफला चूर्ण और शहद की प्रोसेसिंग करती हैं. इसके अलावा ओल, आम, आंवला, कटहल लाल मिर्च, महुआ आदि के अचार बना कर राज्य व देश में आयोजित मेले में जाकर बेचती हैं. नेतरहाट, बिशनपुर और बनारी में उनकी दुकान है, जहां वो अपने उत्पादों को बेचती हैं. अनीता पिछले चार वर्षों से कार्य कर रही हैं. अपने साथ-साथ गांव की महिलाओं को भी सशक्त कर रही हैं.

खेती से पूनम की जिंदगी में आ रहा बदलाव

प्रमिला कुमारी

प्रखंड : डोमचांच
जिला : कोडरमा

रांची जिले के नामकुम प्रखंड अंतर्गत डुगरी गांव की पूनम देवी आज कृषि और पशुपालन करते हुए आत्मनिर्भर बन चुकी हैं. उन्हें अपनी जरूरतों के लिए किसी के आगे हाथ नहीं फैलाना पड़ता है. तीन साल पहले पूनम मां शारदा समूह कल्याणी समूह से जुड़ीं. जिसके बाद उन्होंने समूह से 50,000 रुपये का लोन लिया और दो गाय खरीद लीं. सब्जी की खेती शुरू कीं. फिलहाल पूनम दूध बेच कर पांच हजार रुपये का मुनाफा कमा रही हैं. सब्जियों को बेच कर दो से तीन हजार रुपये प्रतिमाह की कमाई कर रही हैं. इन पैसों को बचा कर पूनम ने फूल की खेती की शुरुआत कीं. फूलों से भरे बागान को देखकर काफी खुश होते हुए पूनम ने बताया कि वह अपने पति और बच्चों के साथ रहती हैं. पति ठेकेदारी और वायरिंग का काम करते हैं. दोनों मिलकर आज अपने बच्चों का लालन-पालन कर रहे हैं. जिससे उनके जीवन में खुशहाली आ गयी हैं. अपने हौसले और बुलंद इरादे से पूनम काफी आगे बढ़ गयी हैं. बच्चों को निजी स्कूल में शिक्षा दिला रही हैं. आज पूरे गांव और समाज में अपनी अगल पहचान बना रही हैं.

दीदियों ने कृषि मंत्री से साझा किये अपने अनुभव

रेखा कुमारी

प्रखंड : पालोजोरी
जिला : देवघर

देवघर जिले के पालोजोरी गांव में सखी संवाद कार्यक्रम का आयोजन हुआ. इस कार्यक्रम के माध्यम से सरकार गांवों में हो रहे विकास कार्य व महिलाओं में आ रहे बदलाव को जानने समझने का प्रयास करती है. महिलाओं को सरकारी योजनाओं का लाभ मिल पा रहा है कि नहीं, समूह से मिलने वाली राशि का सदुपयोग हो रहा है या नहीं. इस कार्यक्रम के माध्यम से सखी मंडल की महिलाएं सीधे सरकार के समक्ष अपनी बात रख रही हैं. कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित कृषि मंत्री रणधीर सिंह ने कहा कि महिला समूहों से जुड़ कर महिलाएं सशक्त हो रही हैं. महिलाएं अब पुरुषों से कम नहीं हैं और स्वरोजगार से जुड़ कर आत्मनिर्भर हो रही हैं. मंत्री ने कहा कि अब जब भी किसी गांव में जाता हूं, तो सबसे पहले सखी मंडल की महिलाएं आती हैं और समस्याएं बताती हैं. कृषि मंत्री ने कहा कि पालोजोरी में मेला लगाकर बकरी का वितरण किया जायेगा. उन्होंने कहा कि जेएसएलपीएस से जुड़कर ग्रामीण महिलाएं विकास की ओर अग्रसर हैं.